

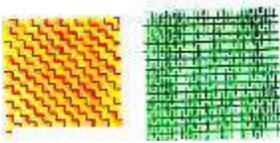
पाठ -७ सिलाई कला



पूर्व की कक्षा में आप सभी हाथ से बखिया करना, काज बनाना एवं पैबंद लगाना आदि से परिचित हो चुके हैं। अब आपको कपड़े में रफू करना एवं प्लेट्स डालने की विधि बताई जा रही है।

रफू करना

थोड़ा वस्त्र फट जाने पर, चूहों द्वारा कपड़ा काट दिए जाने पर या प्रेस करते समय कपड़ा जल जाने पर रफू करने की आवश्यकता पड़ती है। रफू दो प्रकार से किए जाते हैं।



रफू में सिलाई के विभिन्न तरीके

(क) चौकोर या आयताकार

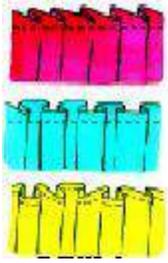
(ख) गोल या तिकोन

रफू करने में जिस रंग का कपड़ा होता है, उसी रंग का धागा डालकर रनिंग स्टिच के साथ-साथ ताने-बाने को मिलाते हुये धागा भरते है।

प्लेट्स डालना

शरीर के विभिन्न भागों की फिटिंग के लिये कपड़ों में प्लेट्स डाली जाती है। फ्रॉक में घेरे को छोटा करने के लिए अथवा झोल देने के लिये प्लेट का प्रयोग करते हैं। प्लेट डालने के

लिए पहले पेंसिल या चॉक से कपड़े में निशान बना लेना चाहिए। इसके बाद मशीन से सिलाई करना चाहिए।



प्लेट्स डालना

वस्त्र की सिलाई ठीक ढंग से हो इसके लिए वस्त्रों का सही नाप की जानकारी आवश्यक है। आइए, हम नाप लेने के विषय में जानें-

वस्त्र बनाने के लिये आवश्यक नाप

सिलाई करने से पहले भली-भाँति देख लेना चाहिए कि कपड़ा कैसा है ? सिलने वाला कपड़ा सूती, रेशमी या ऊनी हो सकता है। जिस व्यक्ति का कपड़ा सिलना है, उसकी सही फिटिंग के लिये नाप सही लिया जाए। सोचें! यदि आप ढीली-ढाली फ्राक, सलवार, जम्पर, शर्ट-पैट आदि पहनेंगे तो अच्छा नहीं लगेगा। हम सुंदर दिखें, हमारा व्यक्तित्व निखरे, इसके लिये वस्त्रों की सही नाप की आवश्यकता होती है।

नाप लेने की विधि

इसमें शरीर के प्रत्येक अंग जैसे गले का पुट (कंधा) आस्तीन, पाँयचे, म्यानी, सीने का नाप लिया जाता है। नाप लेने के बाद ही कपड़ा काटा जाता है। सही नाप से काटा हुआ कपड़ा ही सिलने के बाद पहनने में फिट होता है।

छाती की नाप (चेस्ट सिस्टम)

सीने की नाप लेने के लिये नापने का फीता बच्चे या व्यक्ति के दाईं ओर खड़े होकर लेना चाहिए। दोनों हाथों के नीचे से फीता इस प्रकार घुमाकर सामने लाएँ कि फीता चारों ओर से एक सीध में रहे। सीने की नाप से ही अन्य नाप निकालते हैं।

आइए जानें! किस वस्त्र में कितना कपड़ा लगेगा ?

कपड़ों की सिलाई करने से पहले हमें यह जानना जरूरी है कि जिस व्यक्ति का जो भी कपड़ा सिलना है, उसमें कितने मीटर कपड़े की आवश्यकता होती है? इसके लिए सिले जाने वाले कपड़े की नाप लेकर उसे नोट करें। नाप नोट करके उस वस्त्र के कपड़ों का अनुमान लगा सकते हैं।

जैसे- 14 वर्ष की बालिका का पेटीकोट बनाने के लिये इस प्रकार नाप लें:-

लम्बाई 85 सेमी0

कमर 55 सेमी0

सीट 62 सेमी0

लम्बाई की नाप = $85 \times 2 = 170$ सेमी0

अब आप जान गए होंगे कि लम्बाई की जितनी नाप होगी उसका ठीक दोगुना कपड़ा लगेगा।

वस्त्रों को काटना एवं सिलना

वस्त्र पहनने वाला शरीर के अनुरूप चुस्त-दुरुस्त दिखे, ऐसा तभी संभव होगा, जब वस्त्रों की कटाई एवं सिलाई सही तरह से की गई हो। यदि वस्त्र की कटिंग ठीक है और सिलाई सही नहीं की गई है तो कपड़ा अच्छा नहीं दिखेगा। सिलाई उत्तम है और कटिंग सही नहीं है तो भी वस्त्र सुंदर नहीं लगेगा। आप अपनी शिक्षिका की सहायता से पायजामा बनाइए, जिसकी नाप नीचे दी गई है।

पायजामा

कपड़े का अर्ज = 90 सेमी0

नाप: -

लम्बाई = 74 सेमी0

शीट = 60 सेमी0

मोहरी = 30 सेमी0

1-2 पूरी ल0 + नेफा 5 सेमी0 + मोहरी

मोड़ने के लिए 4 सेमी0 (83 सेमी0)

1-5 सीट का $1/2 = 30$ सेमी0

5-0 = 1-2

2-0 = 1-5

13-3 सीट का $1/3 + 6$ सेमी0 नेफा (26 सेमी0)

11-4 = 13-3

3-4 = 1-5

2-3 मोहरी का $1/2$ (15 सेमी0)

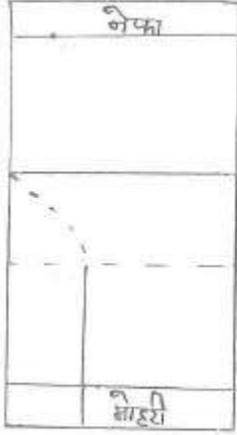
7-9 = 3-7 का $1/2 + 4$ (28 सेमी0)

9-10 = 2-6

5-11 नेफा की चौड़ाई 5 सेमी0

11-12 = 2 सेमी0

6-10, 10-4, 4-12 चित्रानुसार निशान लगाएँ और काटें।



पायजामा काटने की विधि

बेबी फ्रॉक (छोटी बॉडी वाला)

नाप -

लम्बाई= 40 सेमी0

सीना (चेस्ट) = 50 सेमी0

तीरा = 25 सेमी0

बॉडी की लम्बाई = 10 सेमी0

आस्तीन की लम्बाई = 12 सेमी0

घेर की चौड़ाई = 40 सेमी0

0-1 बॉडी की लम्बाई = 10 सेमी0

1-2 तीरा का $1/2 = 12.5$ सेमी0

0-6 = सीने का $1/12 = 4.5$ सेमी0

0-4 सीने का $1/24 = 2$ सेमी0

2-3 सीधी रेखा

6 से 4, 6 से 5 शेष दीजिए

2-7 = 2 सेमी0

6-7 को मिला दें

1-8 घेर का $1/2 = 35$ सेमी0

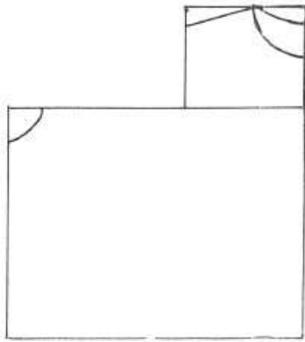
1-10 = पूरी लम्बाई - बॉडी की लम्बाई = 30 सेमी0

8 से 9 = 1 से 10

9 से 10 = 1 से 8

8 से 11 और 8 से 12 = सीने का $1/12 = 4$ सेमी0 11 से 12 गोलाई में

शेष दें।



बेबी फ्रॉक काटने की विधि

कपड़े की आवश्यक मात्रा का अनुमान लगाना

छोटे अर्ज के कपड़े की मात्रा जानने के लिए घेर की लम्बाई में मोड़ के लिए 8 सेमी. जोड़िए। इस प्रकार कपड़े की आवश्यक मात्रा = घेर की 2 लम्बाई + घेर के लिए 2 मोड़ + चोली की लम्बाई + आस्तीन की लम्बाई तथा आस्तीन की मोहरी का मोड़।

यदि कपड़े का अर्ज 92 सेमी⁰ है और घेर की चौड़ाई 46 है तो अर्ज में घेर बन जाएगा। अतः घेर की एक लम्बाई ही चाहिए। यदि फ्राक में झालर लगाना है तो और अधिक कपड़े की आवश्यकता होगी।

घर में वस्त्रों की सिलाई से लाभ

घर में सिलाई करने से कई लाभ होते हैं जो निम्नलिखित हैं-

पारिवारिक लाभ - धन की बचत, समय की बचत, रुचि के अनुसार वस्त्रों का निर्माण, उत्तम सिलाई एवं धागों का प्रयोग।

व्यावसायिक लाभ - कार्य में दक्षता, कार्य की उत्तमता एवं गुणवत्ता में वृद्धि।

आन्तरिक बचत - कपड़ों की बचत, बचे कपड़ों का पुनः प्रयोग, पुराने कपड़ों का पुनः प्रयोग, फटे कपड़ों की मरम्मत।

अभ्यास

1. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही विकल्प के सामने दिए गए गोल घेरे को काला करिए-

(1) घर में सिलाई करने के लाभ होते हैं-

(क) धन की बचत

(ख) समय की बचत

(ग) रूचि के अनुसार निर्धारण

(घ) उपर्युक्त सभी

(2) समीज पहनी जाती है-

(क) फ्रॉक के अंदर

(ख) फ्रॉक के ऊपर

(ग) जींस के साथ

(घ) उपर्युक्त सभी

2. अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

(क) कपड़ों की फिटिंग के लिए क्या डालते हैं ?

(ख) सीने की नाप लेने के लिए नापने का फीता व्यक्ति के किस ओर खड़े होकर लेना चाहिए ?

3. लघु उत्तरीय प्रश्न

(क) नाप लेना क्यों आवश्यक है ?

(ख) चेस्ट सिस्टम से आप क्या समझते हैं ?

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(क) घर में सिलाई करने से क्या-क्या लाभ होते हैं ?

(ख) रफू करने की विधि लिखिए।

प्रोजेक्ट वर्क-

- बेबी फ्रॉक की ड्राफ्टिंग कागज पर करिए।
- अपने नाप का पायजामा सिलिए।